**राजभाषा एकक**

**भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर**

**विषय - राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दसवीं बैठक का कार्यवृत्त**

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दसवीं बैठक दिनांक 25 अगस्त 2015 को अपराह्न 16.30 बजे बोर्ड कक्ष, तोषाली भवन परिसर में संस्थान के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

1. प्रो.एस.त्रिपाठी, उपनिदेशक
2. डॉ. आर.के.सिंह, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा
3. प्रो.पी.सी.पांडेय, अभ्यागत प्राध्यापक, ईओसीएस
4. डॉ. राजन झा, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस
5. डॉ. अखिलेश बर्वे, सहायक प्राध्यापक, एसएमएस
6. डॉ. गौतम मंडल, सहायक प्राध्यापक, एसआईएफ
7. श्री देबराज रथ, कुलसचिव (कार्यवाहक)
8. श्री बिभूति भूषण साहू, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
9. श्री मानस कुमार बेहेरा, सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
10. श्री पी.के. साहू, सहायक कुलसचिव (स्थापना)
11. श्री नितिन जैन, कनि. हिंदी अनुवादक एवं सदस्य सचिव (राकास)

**विशेष आमंत्रित**

1. डॉ. योगेश जी. भुमकर, सहायक प्राध्यापक, एसएमएस
2. डॉ. सी.एन. भेंडे, सहायक प्राध्यापक, एसएमएस

बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अध्यक्ष महोदय ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। सदस्य सचिव ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची की मदों पर बिंदुवार चर्चा प्रारम्भ की गई।

**मद सं. 10.0** **गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि** – दिनांक 31.10.2014 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की आठवीं बैठक के कार्यवृत्त की समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुष्टि प्रदान की। बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी गई कि किन्हीं अपरिहार्य कारणों की वजह से पिछले दो तिमाही से बैठक का आयोजन नहीं हो पा रहा था। अध्यक्ष महोदय ने इसे गंभीरता से लिया और इस संबंध में आदेश दिया कि बैठक का आयोजन नियमित रूप से करवाया जाए और किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

**कार्रवाई – राजभाषा एकक/ कुलसचिव**

**मद सं. 10.1** **गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई-** गत बैठक में अनुवर्ती कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की गई और इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय को संस्थान की राजभाषा संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

**मद सं. 10.2** **संस्थान में राजभाषा संबंधी गतिविधियों का परिचय एवं राजभाषा विभाग के दिशा निर्देश : -**

सदस्य सचिव ने उपस्थित सभी सदस्यों को संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए की जा रही गतिविधियों जानकारी प्रदान की और निम्न बिंदुवार कार्रवाई के लिये आश्वस्त किया :-

i) संस्थान में प्रयोगार्थ सभी फार्मों को द्विभाषी रूप में तैयार कर प्रयोग में लाया जा रहा है।

**अध्यक्ष/ समिति के सदस्यों के विचार** – इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इसे यथा शीघ्र संस्थान की वेबसाइट में अपलोड किया जाए। **कार्रवाई – राजभाषा एकक/सहायक कुलसचिव (स्थापना)/ प्राध्यापक प्रभारी (वेबसाइट)**

ii) संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सूची के अनुसार हिंदी की लोकप्रिय पुस्तकों खरीदी जाती हैं। संस्थान की प्रकृति एवं प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुरुप वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय विषयों की पुस्तकें यदि हिंदी में उपलब्ध होती हैं तो उन्हें भी खरीदा जाता है। इसके साथ ही जानकारी दी गई कि केंद्रीय पुस्तकालय में अभी तक 301 हिंदी की पुस्तकें उपलब्ध है और इस वर्ष 81 पुस्तकें खरीदी गई है।

**अध्यक्ष/ समिति के सदस्यों के विचार** – इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हिंदी में उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी प्रदान करने और अन्य डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से अन्य संस्थानों के लिंक को केंद्रीय पुस्तकालय के लिंक में जोड़ने को कहा। **कार्रवाई – राजभाषा एकक/उप पुस्तकालयाध्यक्ष**

iii) संस्थान के छात्रों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी गई कि संस्थान के छात्रों द्वारा "अभिव्यक्ति" नामक एक संस्था की शुरुआत करने की योजना बनाई गयी है जिसके माध्यम से संस्थान के छात्रों के लिए नियमित रूप से गतिविधियाँ आयोजित किए जाएंगे।

**अध्यक्ष/ समिति के सदस्यों के विचार** - इस संबंध में निदेशक महोदय ने सहमित प्रदान की और कहा कि छात्रों को राजभाषा की गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

iv) अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी गई कि संस्थान प्रशासनिक, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शब्दकोशों की खरीद के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग को अनुस्मारक पत्र लिखा गया है लेकिन अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त उपस्थित सदस्यों को यह भी जानकारी दी गई कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की वेबसाइट पर सभी विषयवार तकनीकी शब्द ऑनलाइन रूप से उपलब्ध है।

**अध्यक्ष/ समिति के सदस्यों के विचार** - इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इसके लिंक को संस्थान की वेबसाइट से जोड़ा जाए। सदस्य सचिव (राकास), ने जानकारी दी कि राजभाषा एकक द्वारा वेबसाइट तैयार किया गया जिसमें शब्दकोश नामक एक लिंक भी सृजित किया गया है जिससे वे हिंदी/ अंग्रेजी के शब्दकोशों को ऑनलाइन देख सकेंगे।

**कार्रवाई – राजभाषा एकक/सहायक कुलसचिव (स्थापना)/ प्राध्यापक प्रभारी (वेबसाइट)**

**<u>राजभाषा विभाग के दिशा निर्देश</u>**

राजभाषा संबंधी गतिविधियों के परिचय के बाद उपस्थित सदस्यों को राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देश के बारे में सूचित किया गया। समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया जाता है जिसमें केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों के लिए वार्षिक लक्ष्य तैयार किए जाते है। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण के दौरान इन विषयों की जाँच की जाती है। सदस्य सचिव ने जानकारी दी कि संस्थान अभी सभी लक्ष्यों में पिछड़ रहा है जिसके लिए निरंतर उपाय किए जा रहे है। इसके साथ ही जानकारी दी कि इस वर्ष संस्थान में कुल 04 लोगों ने अंतिम परीक्षा के रूप में प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और 09 लोगों ने प्रवीण पाठ्यक्रम की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। शेष सभी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है। **कार्रवाई – कुलसचिव/ सहा.कुलसचिव (स्था.)/ राजभाषा एकक**

मद सं. 10.3 **हिंदी में पत्राचार की स्थिति:-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में हिंदी पत्राचार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में चूक रहा है। संस्थान की मूल प्रकृति अंग्रेजी में है इसलिए अधिकांश पत्रों को अंग्रेजी में तैयार किया जा रहा है इसलिए हम लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल हो रहे है। इसके साथ ही यह सुझाव प्रस्तुत किया गया कि यदि हम पत्र के साथ एक आवरण पत्र हिंदी में तैयार कर लें तो हम निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही कहा गया है कि प्रायोगिक तौर पर इसे निदेशक के कार्यालय, उपनिदेशक के कार्यालय एवं कुलसचिव के कार्यालय से प्रारंभ किया जा सकता है जिससे इसकी स्थिति में सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। इसके साथ कहा गया कि इस संबंध में उक्त कार्यालयों के निजी सचिवों के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें उन्हें वार्षिक लक्ष्यों में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में प्रो.पी.सी. पांडेय, अभ्यागत प्राध्यापक ने कहा कि इसे केवल तिमाही रूप में ही न आयोजित कर निरंतर अंतराल में अभ्यास सत्र आयोजित कराने पर बल दिया।

**कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक**
**कार्रवाई पूर्ण करने की तिथि – अगली तिमाही बैठक तक**

मद सं. 10.4 **राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा:-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि राजभाषा एकक द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे है। राजभाषा एकक द्वारा किए जा रहे कार्यों के विवरण पर चर्चा की जा चुकी है। **कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक**

मद सं. 10.5 **राजभाषा एकक के लिंक पर चर्चा :-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि राजभाषा एकक द्वारा राजभाषा संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए एक वेबसाइट का सृजन किया गया। इस वेबसाइट में राजभाषा संबंधी सभी प्रावधानों, नियमों, अधिनियमों के अतिरिक्त राजभाषा एकक द्वारा प्रकाशित ई-समाचार, ऑनलाइन शब्दकोश एवं आगामी कार्य योजना एवं गतिविधियाँ की भी जानकारी प्रदान की गई है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस वेबसाइट और साथ हीं ई-समाचार एवं नोटिंग पुस्तिका को संस्थान की मुख्य वेबसाइट पर लिंक के साथ जोड़ने का आदेश दिया है और कहा कि आगामी बैठक से पूर्व इन कार्यों की पुष्टि की जानी चाहिए।

**कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक/ प्राध्यापक प्रभारी (वेबसाइट)**

मद सं. 10.6. **हिंदी पखवाड़ा के आयोजन पर चर्चा : -** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई राजभाषा एकक द्वारा 07-21 सितंबर 2015 के दौरान हिंदी पखवाड़ा के आयोजन पर विचार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ एक कवि सम्मेलन के आयोजन पर विचार किया गया। इसके साथ ही जानकारी दी गई अध्यक्ष महोदय की अनुमति से हिंदी पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए एक समिति का भी गठन किया गया है। समिति की पहली बैठक होने के बाद हिंदी पखवाड़ा के आयोजन संबंधी व्यय विवरण, अतिथि आमंत्रण आदि विषयों के लिए निदेशक महोदय से अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा। **कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक**

मद सं. 10.7 **नोटिंग पुस्तिका का अवलोकन एवं प्रकाशन पर चर्चा :-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में फाइलों पर हिंदी में टिप्पणी के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में पिछड़ रहा है जिस पर शासकीय मंत्रालय द्वारा अकसर आपत्ति जताई जाती है। समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई है कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु एक टिप्पण पुस्तिका तैयार की गई है जिसमें छोटे-छोटे प्रयुक्त होने वाले वाक्यों को द्विभाषी रूप में तैयार किया

गया है जिसके प्रयोग से हम निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में संबल प्राप्त होगा। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों को हिंदी में टिप्पण लिखने हेतु अपील की और कहा कि और नोटिंग पुस्तिका का वेबसाइट पर यथा शीघ्र लिंक का सृजन करने को कहा। इस संबंध प्राध्यापक प्रभारी ने जानकारी दी कि अध्यक्ष महोदय द्वारा हिंदी में प्राप्त सभी फाइलों, पत्रों पर हिंदी में टिप्पणी की जाती है जो एक सराहनीय प्रयास है।

**कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक/ प्राध्यापक प्रभारी (वेबसाइट)**

**कार्रवाई पूर्ण करने की तिथि – अगली तिमाही बैठक तक**

**मद सं. 10.8.** **विज्ञापनों के हिंदी प्रकाशन पर चर्चा :-** प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा द्वारा समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि शासकीय मंत्रालय द्वारा संस्थान से प्रकाशित किए जाने वाले विज्ञापनों पर न्यूनतम 50% राशि हिंदी के विज्ञापनों पर खर्च करने पर बल दिया है। इसके अतिरिक्त यह भी जानकारी दी कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों के दौरान इन बिंदुओं पर विशेष जोर दिया जाता है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने प्रिंट माध्यम से होने वाले विज्ञापनों को हिंदी और अंग्रेजी साथ में प्रकाशन करने हेतु प्रयास करने का आदेश दिया।

**कार्रवाई – कुलसचिव/ सहा.कुलसचिव (भं.एव.क्र.)/ राजभाषा एकक**

**कार्रवाई पूर्ण करने की तिथि – तत्काल प्रभाव से**

**मद सं.** 10.9 **अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कोई मद :-**

**1)** डॉ. योगेश जी भुमकर, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ ने कहा कि 15 सितंबर इंजीनियर्स दिवस के रूप मनाया जाता है। इस दिन हम अपने छात्रों के लिए एक इंजीनियर्स संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन हिंदी में कर सकते है। चूंकि इस दौरान हम हिंदी पखवाड़ा का अनुपालन कर रहे है इसलिए इस गतिविधि को हम उसमें भी सम्मिलित कर सकते हैं। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने इसके आयोजन हेतु अपनी सहमति प्रकट की।

2) **संस्थान के छात्रों के लिए हिंदी कक्षाओं की शुरुआत :** डॉ. अखिलेश बर्वे, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें भी शैक्षणिक सत्र के दौरान छात्रों के लिए हिंदी परीक्षण व्यवस्ता करनी चाहिए जिससे उन्हें हिंदी पढ़ने, लिखने और बोलने में असुविधा न हो। इस संबंध में सदस्य सचिव ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि संस्थान के हिंदीतर भाषी छात्रों में हिंदी पढ़ने की रुचि को ध्यान में रखते हुए उन्हें प्रशिक्षित करने पर विचार किया गया था। इस संदर्भ रेवेंशा विश्वविद्यालय में संपर्क किया गया था परंतु किसी कारणवश यह कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पाए थे। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि तत्काल स्थानीय अतिथि प्राध्यापक से संपर्क किया जाए और इच्छुक छात्रों की एक सूची बनाई जाए और उन्हें शनिवार एवं रविवार की छुट्टी के दौरान अरगुल परिसर में हिंदी प्रशिक्षण देने का प्रयास किया जाय।

**कार्रवाई –कुलसचिव/सहा. कुलसचिव (स्था.)/ राजभाषा एकक**

बैठक के अंत में निदेशक महोदय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी से राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ-साथ हर संभव प्रयास करने हेतु अपील की और डॉ. आर.के.सिंह प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा के धन्यवाद के साथ बैठक संपन्न हुई।

गुणशेखरन

**कुलसचिव**